

27/5/24

पतावली पेनो दुर्ग / अर्धो अनुपात्यते । रक्त-रक्त वरतीन  
वार शवापे प्रित्तारि गर्भे । वनमल सौम 5 pm ही युक्त हैं ।  
अतः अर्धो वे अनुपात्यते रफने पर अर्धो न प्रत्येक - फ  
अपन फपरी / अपन पेरनी में वनमल क्लिप्त जाता है । पतावली  
प्रेसन शुभार होकर वरुषर से नक ही ।

प्रित्तो ह्ये प्रित्ताल सुनाल्य गप्रा /

